औद्योगिक विकास ने पकड़ी रफ्तार स्थापित हुईं तीन हजार इकाइयां

आत्मनिर्भर बनने के लिए आगे आ रहे लोग, नौकरी छोड़ खुद का कारोबार किया शुरू

खास खबर

संवाद न्यूज एजेंसी

झांसी। औद्योगिक विकास की तरफ झांसी जनपद ने रफ्तार पकड़ी है। नौकरी का मोह त्यागकर युवा खुद का कारोबार तो कर ही रहे हैं, साथ ही कई लोगों के लिए रोजगार का जरिया विकसित कर रहे हैं। कम पूंजी, जमीन की बढ़ती कीमतें और परियोजनाओं की ऊंची लागत जैसी तमाम चुनौतियों के बाद भी उद्योग बढ़ रहा है।

झांसी जनपद में वर्तमान 55 हजार से अधिक छोटी-बड़ी इकाइयां पंजीकृत हैं। इनमें अधिकांश सूक्ष्म श्रेणी में आती हैं, जिनकी अधिकतम निवेश सीमा एक करोड़ रुपये है। लघु उद्योग में 10 करोड़ की लागत है। उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार कई योजनाएं संचालित कर रही है।

इनमें मुख्य रूप से मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद व प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत उद्यम स्थापित किए जाने के लिए अनुदान दिया जा रहा है। यही नहीं काम से संबंधित ट्रेनिंग भी सरकार दे रही है। ऐसे में ये योजनाएं झांसी के युवाओं को खूब भा रही हैं।

अब वह नौकरी का मोह छोड़कर खुद का स्टार्टअप स्थापित करने में जुटे हुए हैं। स्थिति यह है कि हर साल सैकड़ों की संख्या में लोग ऋण के लिए आवेदन कर रहे हैं और सरकार की योजना का लाभ उठा रहे हैं। वह इस कार्य से खुद तो अपना उद्योग स्थापित कर रहे हैं, बलिक हजारों लोगों को रोजगार भी मुहैया करा रहे हैं।

महिलाएं भी नहीं हैं पीछे

पहले उद्योग क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी कम होती थी लेकिन समय के बदलाव के साथ लोगों की सोच बदली है। महिलाएं भी अब पुरुषों के साथ बराबर हिस्सेदारी करते हुए उद्योग क्षेत्र में आगे आईं। आंकड़ों पर नजर डाले तो औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत महिलाओं की संख्या न के बराबर रहती थी। लगातार औद्योगिक क्षेत्रों में हुए निवेश से एक के बाद एक महिलाओं ने भी नीतियों का लाभ लेने में रुचि दिखाई।

इन योजनाओं में मिला लाभ

योजना	लाभार्थी	प्राप्त सब्सिडी
प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम	464	9.35 करोड़
एक जनपद एक उत्पाद	189	3.84 करोड़
मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार	466	7.62 करोड़
मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान	1824	6.69 करोड़

(24 जनवरी 2025 से अब तक की स्थिति)

- शासन की ओर से चलाई गई योजनाओं और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने से निवेशकों की संख्या बढ़ी है। युवाओं और महिलाओं की भागीदारी में इजाफा हुआ है। झांसी औद्योगिक विकास की तरफ बढ़ रहा है।

- मनीष चौधरी, उपायुक्त, जिला उद्योग केंद्र, झांसी